



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 30, 1991/माघ 10, 1912

No. 45] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 30, 1991/MAGHA 10, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1991

सं. 3-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन टी)

सा.का.नि. 53 (अ) :--केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार जो
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की
बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाता भी है) माघारणतया प्रचलित थी उक्त अधिनियम की
पहली अनुसूची की उस समय विद्यमान टेरिफ मद सं. 28-क के अन्तर्गत आने वाली नाले की दर की छद्म

पर जिनका विनिर्माण शुल्क संदान तबि की तरों की शलाकाओं से किया गया है, उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन, 13 मई, 1969 को प्रारंभ होने वाली और 1 अगस्त, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उद्घाटित नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे तबि के तार को छड़ों पर विशेष उत्पाद शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान ऐसे शुल्क के उद्घाटन से संबंधित सुसंगत विधि के अधीन भी उद्घाटित नहीं किया जा रहा था,

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, ऐसे तबि की तरों की छड़ों पर, क्यास्मिन्, उक्त अधिनियम के अधीन या उक्त विधि के अधीन उद्घाटनीय तंत्रण उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क ऐसे तबि के तारों की छड़ों की शक्ति मवाय किया जाता अवहित नहीं होगा, जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क या विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्घाटित नहीं किया गया था।

ए. एन. शर्मा, अवर सचिव

[फा. सं. 138/22/84-सीएस-ग]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th January, 1991

No. 3-Central Excises (NT)

G.S.R. 53 (F).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on copper wire rods falling under the then existing tariff item No. 26A of the First Schedule to the said Act, manufactured out of duty paid copper wire bars, was not being levied under section 3 of the said Act, during the period commencing on the 13th day of May, 1969 and ending with the 1st day of August, 1981;

And, whereas the special duty of excise on such copper wire rods was also not being levied under the relevant law related to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of duty of excise and the special duty of excise leviable under the said Act or, as the case may be, under the said law, on such copper wire rods, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such copper wire rods, on which the said duty of excise or the special duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 138/22/84-CX. 4]

A. N. SHARMA, Under Secy.